चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 10 सितंबर 2026, अंक –354.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

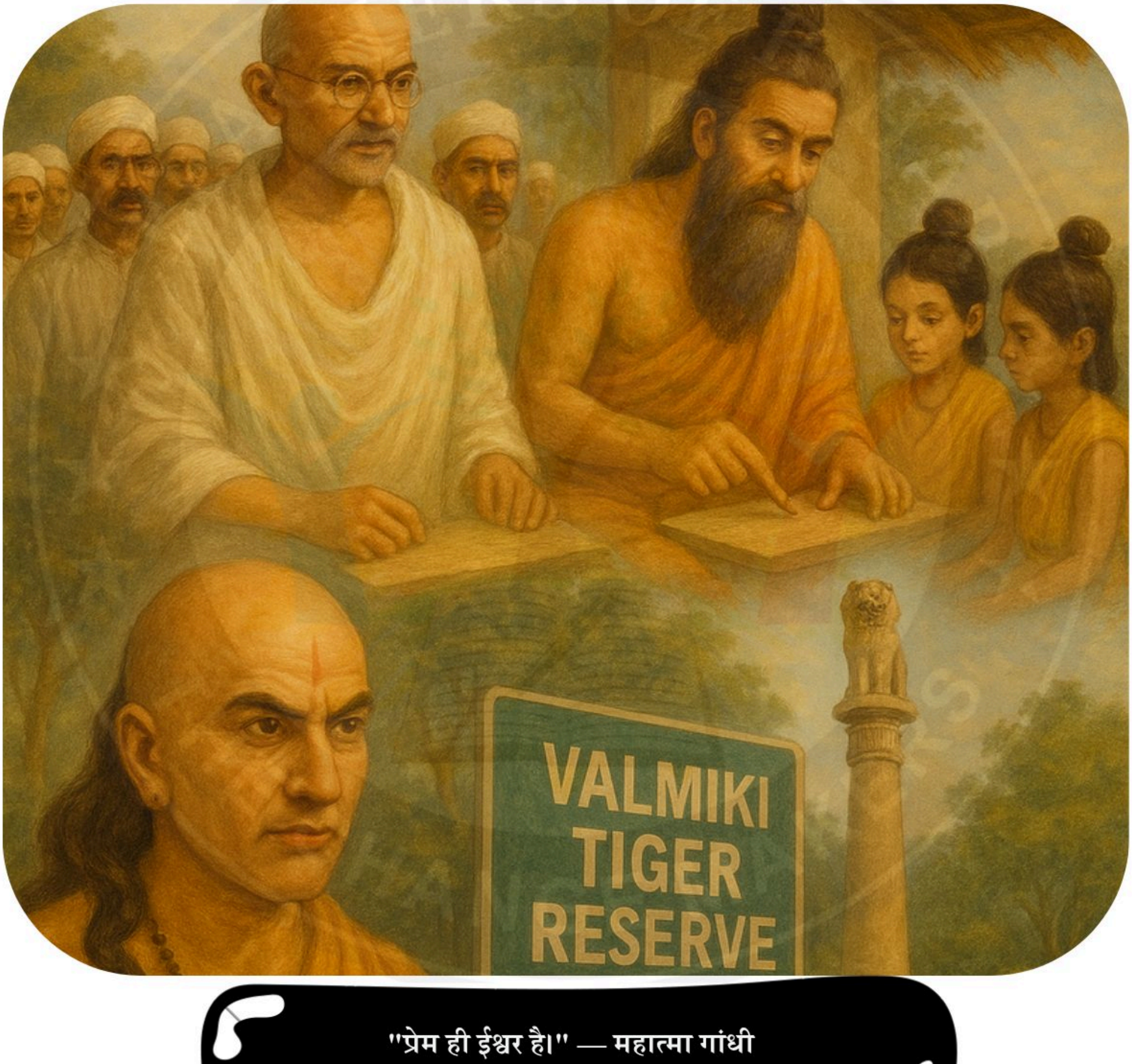

"प्रेम ही ईश्वर है।" — महात्मा गांधी

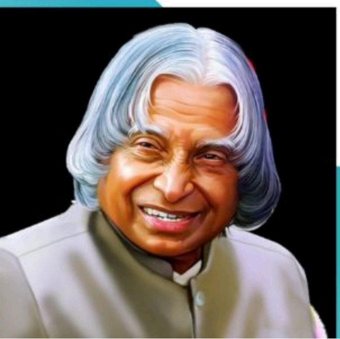

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Thursday Prayer

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गीरूगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ....

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ..

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन.....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

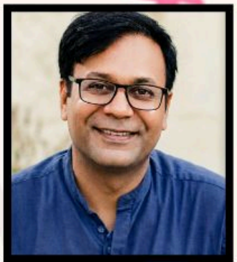

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह —
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. उज़्बेकिस्तान की राजधानी क्या है?
उत्तर: ताशकंद
प्रश्न 2. अंतरिक्ष में जाने वाली पहली महिला कौन थीं?
उत्तर: वेलेंटीना तेरेश्कोवा
प्रश्न 3. 'लेझिम' किस राज्य की प्रसिद्ध लोकनृत्य परंपरा है?
उत्तर: महाराष्ट्र
प्रश्न 4. यदि एक दर्जन आमों में से 5 आम निकाल दिए जाएँ, तो कितने आम बचेंगे?
उत्तर: 7
प्रश्न 5. बिहार का 'काबर ताल' किस जिले में स्थित है?
उत्तर: बेगूसराय
प्रश्न 6. कौन-सा पक्षी अपने अंडे दूसरे पक्षियों के घोंसले में देता है?
उत्तर: कोयल
प्रश्न 7. विद्युत बल्ब के फिलामेंट में सामान्यतः किस धातु का प्रयोग किया जाता है?
उत्तर: टंगस्टन
प्रश्न 8. भारत में कानून बनाने वाली सर्वोच्च संस्था कौन-सी है?
उत्तर: संसद
प्रश्न 9. 'आकाश' का एक पर्यायवाची शब्द क्या है?
उत्तर: गगन
प्रश्न 10. रेत और पानी के मिश्रण से रेत अलग करने के लिए किस विधि का प्रयोग किया जाता है?
उत्तर: निस्यंदन

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1️⃣ Teacher - टीचर - शिक्षक
2️⃣ Student - स्टूडेंट - विद्यार्थी
3️⃣ Classroom - क्लासरूम - कक्षा
4️⃣ Lesson - लेसन - पाठ
5️⃣ Homework - होमवर्क - गृहकार्य
6️⃣ Question - क्वेश्चन - प्रश्न
7️⃣ Answer - आन्सर - उत्तर

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: “They are going to + V1”
(वे ... करने वाले हैं।)

वे आज क्रिकेट खेलने वाले हैं। – They are going to play cricket today.
वे पुस्तकालय जाने वाले हैं। – They are going to go to the library.
वे अपना प्रोजेक्ट पूरा करने वाले हैं। – They are going to complete their project.
वे एक सुंदर मॉडल बनाने वाले हैं। – They are going to make a beautiful model.
वे प्रतियोगिता में भाग लेने वाले हैं। – They are going to take part in the competition.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 10 सितंबर को मानसिक स्वास्थ्य के संरक्षण और जीवन रक्षा के प्रति वैश्विक संवेदनशीलता बढ़ाने हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के सहयोग से कौन-सा अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस (World Suicide Prevention Day)
व्याख्या: प्रतिवर्ष 10 सितंबर को 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' (World Suicide Prevention Day - WSPD) मनाया जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 2003 में 'इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन' (IASP) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य अवसाद, तनाव, मानसिक दबाव और सामाजिक अलगाव से जूझ रहे व्यक्तियों को समय पर मनोवैज्ञानिक संबल प्रदान करना है। यह दिवस इस संदेश का प्रसार करता है कि आपसी बातचीत, सहानुभूति और संस्थागत हेल्पलाइन सहायता के माध्यम से मानसिक संकट का समाधान कर बहुमूल्य मानव जीवन को बचाया जा सकता है।
संदर्भ: World Health Organization (WHO) Mental Health Compendium; IASP Official Guidelines;

प्र.2. सितंबर 2026 में भारत सरकार द्वारा देश की आपराधिक न्याय प्रणाली को तीव्र और पारदर्शी बनाने हेतु किस डिजिटल प्लेटफॉर्म के द्वितीय चरण (2.0) का राष्ट्रव्यापी एकीकरण पूरा किया गया? (समसामयिक घटना)
उत्तर: इंटर-ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम (ICJS 2.0)
व्याख्या: सितंबर 2026 में केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा 'इंटर-ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम' (ICJS) के उन्नत 2.0 संस्करण को देश भर की अदालतों, पुलिस थानों, जेलों और फोरेंसिक प्रयोगशालाओं के साथ पूरी तरह एकीकृत कर दिया गया। यह प्रणाली सुप्रीम कोर्ट की ई-कमेटी द्वारा परिकल्पित है, जो 'वन डेटा, वन एंट्री' के सिद्धांत पर कार्य करती है। इसके तहत ई-कोर्ट, ई-प्रिजन्स, ई-फॉरेंसिक और सीसीटीएनएस (CCTNS) के बीच वास्तविक समय में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का सुरक्षित आदान-प्रदान होता है, जिससे मुकदमों की सुनवाई में तेजी और पारदर्शिता सुनिश्चित होती है।
संदर्भ: Ministry of Home Affairs (MHA) Digital India Reports September 2026;

प्र.3. महाभारत के 18वें दिन की संध्या से लेकर श्रीकृष्ण के देहावसान तक की पृष्ठभूमि पर आधारित, युद्ध की निरर्थकता और मानवीय संकट को दर्शाने वाले प्रसिद्ध काव्य-नाटक 'अंधा युग' (1954) के रचनाकार कौन हैं? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: डॉ. धर्मवीर भारती
व्याख्या: 'अंधा युग' (1954) आधुनिक हिंदी साहित्य का एक अमर गीतिनाट्य (काव्य-नाटक) है, जिसके रचयिता डॉ. धर्मवीर भारती हैं। यह नाटक महाभारत के महाविनाशकारी युद्ध के अंतिम दिन से शुरू होकर प्रभास तीर्थ में श्रीकृष्ण की मृत्यु तक की घटनाओं पर केंद्रित है। इसमें अश्वत्थामा के प्रतिशोध, गांधारी के शाप, धृतराष्ट्र के आत्ममोह और युयुत्सु के नैतिक द्वंद्व के माध्यम से आधुनिक युग में परमाणु अस्त्रों की विभीषिका, सत्ता के अंधेपन, मूल्यहीनता और युद्ध की विद्रूपता का अत्यंत गहन दार्शनिक विश्लेषण किया गया है।
संदर्भ: धर्मवीर भारती — 'अंधा युग', भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन; NCERT Hindi Class 12 (अभिव्यक्ति और माध्यम एवं साहित्य संदर्भ);

प्र.4. सुंदरबन डेल्टा के दलदली मैंग्रोव वनों में पाई जाने वाली 'सुंदरी' वनस्पति में भूमि के नीचे ऑक्सीजन की कमी को पूरा करने हेतु सतह से ऊपर निकलने वाली विशेष ऊर्ध्वाधर जड़ों को क्या कहा जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: श्वसन जड़ें (न्यूमेटोफोर / Pneumatophores)
व्याख्या: गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा के सुंदरबन क्षेत्र में लवणीय और दलदली मिट्टी में मैंग्रोव वन पाए जाते हैं, जिनमें 'सुंदरी' (Heritiera fomes) प्रमुख वृक्ष है। अत्यधिक जलभराव और लवणता के कारण मिट्टी में वायु (ऑक्सीजन) का नितांत अभाव होता है। इस प्रतिकूल पारिस्थितिकी में श्वसन क्रिया संपन्न करने के लिए वृक्ष की मुख्य जड़ों से खूंटेनुमा विशेष संरचनाएं गुरुत्वाकर्षण के विपरीत लंबवत ऊपर की ओर दलदल से बाहर निकल आती हैं। इन छिद्रयुक्त जड़ों को 'श्वसन जड़ें' या 'न्यूमेटोफोर' (Pneumatophores) कहा जाता है, जो वायुमंडल से सीधे ऑक्सीजन अवशोषित करती हैं।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 5 "प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी", p. 43–46;

प्र.5. 13 अप्रैल 1919 को वैशाखी के दिन पंजाब के अमृतसर में डॉ. सैफुद्दीन किचलू और डॉ. सत्यपाल की गिरफ्तारी के विरोध में शांतिपूर्ण सभा कर रहे निहत्थे नागरिकों पर किस ब्रिटिश अधिकारी ने अंधाधुंध गोलियां चलवाई थीं? (इतिहास)
उत्तर: ब्रिगेडियर-जनरल रेजीनाल्ड डायर (General Dyer)
व्याख्या: 13 अप्रैल 1919 को अमृतसर के जलियांवाला बाग में रॉलेट एक्ट के विरोध में और लोकप्रिय स्थानीय नेताओं डॉ. सत्यपाल व डॉ. सैफुद्दीन किचलू की गैर-कानूनी गिरफ्तारी के खिलाफ एक विशाल शांतिपूर्ण जनसभा हो रही थी। जनरल डायर ने बाग के एकमात्र संकीर्ण निकास द्वार को बख्तरबंद गाड़ियों और सैनिकों से बंद करवाकर बिना किसी पूर्व चेतावनी के निहत्थी भीड़ पर 10 मिनट तक निरंतर 1650 राउंड गोलियां चलवाई। इस बर्बर हत्याकांड में सैकड़ों निर्दोष पुरुष, महिलाएं और बच्चे शहीद हो गए। इस नरसंहार के विरोध में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने ब्रिटिश सरकार द्वारा दी गई 'नाइटहुड' की उपाधि त्याग दी थी।
संदर्भ: NCERT History Class 10 (भारत और समकालीन विश्व-2), Ch 2 "भारत में राष्ट्रवाद", p. 31–34;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. दक्कन के लावा पठार (महाराष्ट्र, गुजरात, म.प्र.) में बेसाल्ट चट्टानों के अपक्षय से निर्मित वह कौन-सी उपजाऊ मिट्टी है, जो नमी धारण करने की उच्च क्षमता और शुष्क मौसम में गहरी दरारें पड़ने के कारण 'स्व-जुताई' वाली मिट्टी कहलाती है? (भूगोल)

उत्तर: काली मृदा (रेगुर मिट्टी / Black Soil)

व्याख्या: काली मिट्टी का निर्माण प्राचीन काल में ज्वालामुखी विस्फोट से निकले बेसाल्ट लावा के टूटने और अपक्षय से हुआ है। इसे स्थानीय भाषा में 'रेगुर' तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'उष्णकटिबंधीय चेरनोज़म' कहा जाता है। यह मिट्टी अत्यंत महीन मृतिका (Clayey material) से बनी होती है, जिसके कारण इसमें नमी संचित रखने की अद्भुत क्षमता होती है। गीली होने पर यह चिपचिपी हो जाती है तथा ग्रीष्म ऋतु में इसमें चौड़ी और गहरी दरारें पड़ जाती हैं, जिससे इसमें वायु का संचार स्वतः होता रहता है (स्व-जुताई)। चूना, लोहा, मैग्नीशियम और एल्युमिना से भरपूर यह मिट्टी कपास की खेती के लिए सर्वोत्तम मानी जाती है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 10 (समकालीन भारत-2), Ch 1 "संसाधन एवं विकास", p. 8–10;

प्र.7. किसी सामान्य विधेयक पर लोकसभा और राज्यसभा के बीच गतिरोध उत्पन्न होने की स्थिति में भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत राष्ट्रपति द्वारा दोनों सदनों की 'संयुक्त बैठक' बुलाई जाती है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 108 (Joint Sitting of Parliament)

व्याख्या: भारतीय संविधान का अनुच्छेद 108 यह प्रावधान करता है कि यदि किसी गैर-वित्तीय (सामान्य) विधेयक पर दोनों सदनों के बीच 6 महीने से अधिक समय तक असहमति बनी रहे, तो राष्ट्रपति गतिरोध समाप्त करने हेतु संसद के दोनों सदनों की 'संयुक्त बैठक' (Joint Sitting) आहूत कर सकते हैं। संविधान के अनुच्छेद 118(4) के अनुसार इस संयुक्त बैठक की अध्यक्षता सदैव लोकसभा अध्यक्ष (स्पीकर) करते हैं, उनकी अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष करते हैं। संयुक्त बैठक में निर्णय उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के साधारण बहुमत से लिया जाता है। धन विधेयक और संविधान संशोधन विधेयक पर संयुक्त बैठक का कोई प्रावधान नहीं है।

संदर्भ: Constitution of India, Part V, Article 108; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 5 "विधायिका", p. 112–115;

प्र.8. पौधों की जड़ों द्वारा भूमि से अवशोषित जल और घुले हुए खनिज लवणों को पत्तियों तक पहुँचाने वाला जटिल स्थायी संवहन ऊतक कौन-सा है, जो केवल ऊपर की दिशा में (एकदिशीय) परिवहन करता है? (विज्ञान)

उत्तर: जाइलम ऊतक (दारु / Xylem Tissue)

व्याख्या: जाइलम पौधों में पाया जाने वाला एक जटिल संवहन ऊतक है जो वाहिनिकाओं (Tracheids), वाहिकाओं (Vessels), जाइलम पैरेन्काइमा और जाइलम फाइबर्स से मिलकर बना होता है। यह जड़ों के मूलरोमों द्वारा परासरण विधि से अवशोषित जल और खनिज पोषकों को तने के माध्यम से पत्तियों तक निरंतर पहुंचाता है। पत्तियों में होने वाले वाष्पोत्सर्जन (Transpiration) से उत्पन्न होने वाला 'वाष्पोत्सर्जन खिंचाव' (Transpiration Pull) जाइलम वाहिकाओं में एक सतत जल-स्तंभ बनाए रखता है, जिससे जल बिना किसी ऊर्जा व्यय के सैकड़ों फीट ऊंचे वृक्षों के शिखर तक एकदिशीय (नीचे से ऊपर) खिंचता चला जाता है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 6 "जैव प्रक्रम" (पादपों में परिवहन), p. 118–120; NCERT Science Class 9, Ch 6 "ऊतक" (Tissues), p. 74–76;

प्र.9. पूर्वोत्तर भारत के मणिपुर राज्य से उद्भूत वह कौन-सा शास्त्रीय नृत्य है, जिसमें राधा-कृष्ण की 'रासलीला' का कोमल व शांत मंचन होता है और नर्तकियाँ 'कुमिन' नामक विशिष्ट बेलनाकार घाघरा पहनती हैं? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: मणिपुरी नृत्य (Manipuri Dance)

व्याख्या: मणिपुरी भारत के प्रमुख आठ शास्त्रीय नृत्यों में से एक है, जिसकी जड़ें मणिपुर की प्राचीन 'लाइ हरोबा' परंपरा और 18वीं शताब्दी के राजा भाग्यचंद्र द्वारा रचित वैष्णव 'रासलीला' में निहित हैं। यह नृत्य अपनी अत्यधिक कोमल, धीमी, प्रवाहपूर्ण और लालित्यपूर्ण शारीरिक गतियों के लिए जाना जाता है, जिसमें नर्तक के पैर भूमि पर जोर से आघात नहीं करते। इस नृत्य की वेशभूषा अत्यंत अनूठी होती है; नर्तकियाँ दर्पण और गोटेदार कसीदाकारी से सुसज्जित एक कठोर बेलनाकार घाघरा पहनती हैं, जिसे 'कुमिन' (Kumin) कहा जाता है। इसमें 'पुंग' (मृदंग जैसा वाद्य) और करताल बजाते हुए किया जाने वाला 'पुंग चोलोम' नृत्य इसका मुख्य आकर्षण है।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (An Introduction to Indian Art Part-1), Ch 8 "भारतीय [illegible] Sangeet Natak Akademi Archives;

प्र.10. 5वीं शताब्दी ईस्वी में गुप्त सम्राट कुमारगुप्त प्रथम द्वारा बिहार के नालंदा में स्थापित वह कौन-सा प्राचीन अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय था, जिसे 1193 में बख्तियार खिलजी ने जलाकर नष्ट कर दिया था? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: नालंदा महाविहार (नालंदा विश्वविद्यालय)

व्याख्या: प्राचीन भारत में उच्च शिक्षा और बौद्ध दर्शन का सर्वोच्च वैश्विक केंद्र 'नालंदा महाविहार' बिहार के वर्तमान नालंदा जिले (राजगीर के निकट) में स्थित था। इसकी स्थापना 5वीं शताब्दी में गुप्त वंश के सम्राट कुमारगुप्त प्रथम (महेंद्रादित्य) ने की थी। बाद में सम्राट हर्षवर्धन और पाल राजाओं ने इसे उदार संरक्षण दिया। यहाँ चीन, कोरिया, जापान, तिब्बत और मध्य एशिया से लगभग 10,000 विद्यार्थी और 2,000 शिक्षक रहते थे। चीनी यात्री ह्वेनसांग (ह्वेन त्सांग) और इत्सिंग ने यहाँ वर्षों अध्ययन किया था। यहाँ का 'धर्मगंज' नामक 9-मंजिला विशाल पुस्तकालय (रत्नसागर, रत्नोदधि, रत्नरंजक) विश्वविख्यात था, जिसे 1193 में बख्तियार खिलजी ने जला दिया था। वर्ष 2016 में इसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

संदर्भ: NCERT History Class 6 (हमारे अतीत-1), Ch 10 "व्यापारी, राजा और तीर्थयात्री", p. 106–

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: सितंबर W1 – डायरिया एवं ORS प्रशिक्षण) के अनुसार विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा प्रमाणित 'निम्न ऑस्मोलैरिटी ओआरएस' (Low Osmolarity ORS) में कौन-से 4 रासायनिक घटक संतुलित अनुपात में मौजूद होते हैं? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: सोडियम क्लोराइड, ग्लूकोज, पोटेशियम क्लोराइड, ट्राईसोडियम साइट्रेट

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (सितंबर W1: डायरिया एवं ORS प्रशिक्षण) के अनुसार, डायरिया में शरीर से पानी के साथ-साथ जीवन-रक्षक इलेक्ट्रोलाइट्स (सोडियम और पोटैशियम) नष्ट हो जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) तथा यूनिसेफ द्वारा अनुशंसित 20.5 ग्राम के मानक ओआरएस पैकेट में 4 मुख्य घटक होते हैं: (1) सोडियम क्लोराइड (2.6 ग्राम) – जो शरीर में नमक के स्तर और रक्तचाप को बनाए रखता है; (2) निर्जल ग्लूकोज (13.5 ग्राम) – जो आंतों में सोडियम और जल के त्वरित अवशोषण को प्रेरित करता है; (3) पोटेशियम क्लोराइड (1.5 ग्राम) – जो हृदय की मांसपेशियों और तंत्रिकाओं की कार्यप्रणाली को सामान्य रखता है; (4) ट्राईसोडियम साइट्रेट (2.9 ग्राम) – जो डायरिया से उत्पन्न एसिडोसिस (रक्त में अम्लता) को नियंत्रित करता है। यह 1 लीटर पानी में पूर्णतः घुलनशील होता है।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module September W1 – "डायरिया एवं ORS बनाने का कौशल एवं प्रशिक्षण"

प्र.12. किसी प्रतियोगी परीक्षा में प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक मिलते हैं तथा प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 अंक काट लिया जाता है (नेगेटिव मार्किंग)। यदि एक छात्र ने कुल 60 प्रश्न हल किए और उसे कुल 140 अंक प्राप्त हुए, तो उसने कितने प्रश्नों के सही उत्तर दिए? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 40 प्रश्न

व्याख्या: यह रैखिक समीकरण पर आधारित एक अत्यंत महत्वपूर्ण और मानक तार्किक गणितीय प्रश्न है।

माना कि छात्र द्वारा सही किए गए प्रश्नों की संख्या = x है।

चूँकि कुल हल किए गए प्रश्न 60 हैं, अतः गलत प्रश्नों की संख्या = (60 - x) होगी।

प्रश्नानुसार अंक गणना:, प्रत्येक सही उत्तर के अंक = 4 * x = 4x, गलत उत्तरों के काटे गए अंक = 1 * (60 - x) = (60 - x), कुल प्राप्तांक = सही प्रश्नों के अंक - गलत प्रश्नों के काटे गए अंक = 140

समीकरण: 4x - (60 - x) = 140, 4x - 60 + x = 140, 5x - 60 = 140, 5x = 140 + 60, 5x = 200, x =

GS संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण।

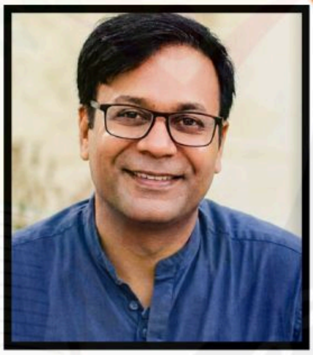

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Altruistic (अल्ट्रू-इस्टिक) = Selfless (सेल्फलेस) = परोपकारी / निःस्वार्थ
   Antonym – Selfish (सेल्फिश) = स्वार्थी
2. Complacent (कम्प्लेसेंट) = Self-satisfied (सेल्फ-सैटिस्फाइड) = आत्मसंतुष्ट / अपनी स्थिति से अत्यधिक संतुष्ट
   Antonym – Vigilant (विजिलेंट) = सतर्क / सावधान
3. Disparage (डिस्पैरिज) = Belittle (बिलिटल) = तुच्छ समझना / नीचा दिखाना
   Antonym – Praise (प्रेज़) = प्रशंसा करना
4. Invidious (इनविडियस) = Envious (एन्वियस) = ईर्ष्यापूर्ण / द्वेषपूर्ण
   Antonym – Benevolent (बिनेवोलेंट) = परोपकारी / हितैषी
5. Tenacious (टेनैशस) = Persistent (पर्सिस्टेंट) = दृढ़ / लगनशील / आसानी से हार न मानने वाला
   Antonym – Irresolute (इरेज़ोल्यूट) = अनिर्णयशील / अस्थिर

~: संकलन :~

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

DAC approves ₹1.10 lakh crore defence procurement; 98% for Indian industry — Army, Navy, Air Force to get modern weapons
हिन्दी अनुवाद: रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) ने थलसेना, नौसेना और वायुसेना के लिए आधुनिक हथियारों व उपकरणों की खरीद को करीब 1.10 लाख करोड़ रुपये की सैद्धांतिक मंजूरी दी; इसमें लगभग 98% खरीद भारतीय उद्योग से होगी।�
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई DAC की बैठक में CBRN सुरक्षा, रिकॉनिसेंस वाहन, हाई-मोबिलिटी वाहन और अन्य उन्नत प्रणालियों की खरीद को मंजूरी मिली। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) जैसे रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम इसमें प्रमुख लाभार्थी होंगे। यह कदम 'आत्मनिर्भर भारत' और रक्षा उत्पादन में निजी भागीदारी बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। UPSC/BPSC के लिए: DAC — रक्षा खरीद की सर्वोच्च निर्णायक समिति; 'Acceptance of Necessity (AoN)' — खरीद प्रस्तावों की प्रारंभिक स्वीकृति।

Modi-Putin bilateral on September 11 ahead of BRICS Summit; Su-57 fighter, S-400 delivery, nuclear plants on agenda
हिन्दी अनुवाद: 11 सितंबर को BRICS शिखर सम्मेलन से पहले प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की द्विपक्षीय बैठक होगी; Su-57 फाइटर जेट, S-400 वायु रक्षा प्रणाली की आपूर्ति और नए परमाणु संयंत्र चर्चा के प्रमुख बिंदु हैं।�
क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि रूस Su-57 पाँचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर के विक्रय और तकनीक हस्तांतरण पर चर्चा के लिए तैयार है। दोनों देश ब्रह्मोस मिसाइल के उन्नयन और ऊर्जा सहयोग पर भी बात करेंगे। UPSC/BPSC के लिए: Su-57 — रूस का पाँचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान; S-400 — वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली; BRICS — ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका सहित 10 सदस्यों वाला समूह।

DAC approves ₹1.10 lakh crore defence procurement; HAL, BEL among key beneficiaries — 98% for Indian industry
हिन्दी अनुवाद: रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) ने 1.10 लाख करोड़ रुपये की रक्षा खरीद को मंजूरी दी; हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स (HAL) और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स (BEL) प्रमुख लाभार्थी होंगे — 98% खरीद भारतीय उद्योग से होगी।�
इसमें CBRN सुरक्षा, रिकॉनिसेंस वाहन, हाई-मोबिलिटी वाहन और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियाँ शामिल हैं। यह 'आत्मनिर्भर भारत' और रक्षा उत्पादन में निजी भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। UPSC/BPSC के लिए: DAC — रक्षा अधिग्रहण परिषद; AoN — Acceptance of Necessity (खरीद की प्रारंभिक स्वीकृति)।

INTERNATIONAL NEWS

UN Secretary-General Antonio Guterres to attend BRICS Summit in New Delhi; expected to meet PM Modi
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस नई दिल्ली में होने वाले BRICS शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे; PM मोदी से उनकी मुलाकात की उम्मीद है।�
यूएन प्रवक्ता स्टीफेन दुजारिक ने कहा कि हालाँकि आधिकारिक घोषणा बाकी है, लेकिन गुटेरेस BRICS में मौजूद रहेंगे। यह मुलाकात जलवायु परिवर्तन, बहुपक्षीयवाद और वैश्विक शासन सुधार पर चर्चा का मंच प्रदान करेगी। UPSC/BPSC के लिए: UNSG — संयुक्त राष्ट्र महासचिव; BRICS — वैश्विक GDP (PPP) का ~41% हिस्सा।

US sanctions all remaining Iranian airlines; 27 carriers hit in fresh action amid escalating Gulf tensions
हिन्दी अनुवाद: अमेरिका ने शेष सभी ईरानी एयरलाइंस पर प्रतिबंध लगाए; 27 कैरियर्स को ताजा कार्रवाई में निशाना बनाया गया — खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ रहा है।�
अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने कहा कि ये प्रतिबंध ईरान के हथियार, कर्मियों और अवैध माल के परिवहन के लिए एविएशन सेक्टर के उपयोग को रोकने के लिए हैं। यह कदम US-ईरान तनाव और होर्मुज़ जलडमरूमध्य में सुरक्षा चिंताओं के संदर्भ में महत्वपूर्ण है। UPSC/BPSC के लिए: OFAC — अमेरिकी ट्रेजरी की विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय; Strait of Hormuz — वैश्विक तेल आपूर्ति का प्रमुख मार्ग।

81st UNGA opens; Bangladesh's Khalilur Rahman presides — climate, health, peace and security on agenda
हिन्दी अनुवाद: 81वीं यूएनजीए का सत्र शुरू; बांग्लादेश के खलीलुर रहमान अध्यक्षता करेंगे — जलवायु, स्वास्थ्य, शांति और सुरक्षा एजेंडे में प्रमुख।�
न्यूयॉर्क में शुरू इस सत्र में सतत विकास लक्ष्य (SDGs), वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा और संघर्ष प्रबंधन पर चर्चा होगी। भारत ने हाल में UNGA के 'Equal Earth' मानचित्र प्रस्ताव का समर्थन किया था। UPSC/BPSC के लिए: UNGA — संयुक्त राष्ट्र महासभा; SDGs — 2030 तक के 17 वैश्विक लक्ष्य।

BIHAR NEWS

Bihar floods: Over 35-40 lakh people affected across 14 districts; Ganga crosses highest flood mark at Sultanganj (36.80m)
हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़: 14 जिलों में 35-40 लाख से अधिक लोग प्रभावित; भागलपुर के सुल्तानगंज में गंगा ने सर्वोच्च बाढ़ स्तर (36.80 मीटर) पार किया — 2021 का रिकॉर्ड टूटा।�
आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार गंगा सुल्तानगंज में 36.80 मीटर पर बह रही है, जो 2021 के 36.75 मीटर के पुराने रिकॉर्ड से ऊपर है। 456 सामुदायिक रसोई और 14-15 राहत शिविर चलाए गए हैं; 13,446 बाढ़ पीड़ितों को आश्रय मिला है। प्रभावित जिले: पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार, लखीसराय, खगड़िया, पूर्णिया और अरवल। UPSC/BPSC के लिए: HFL — Highest Flood Level; NDRF/SDRF — राष्ट्रीय/राज्य आपदा मोचन बल।

CM Samrat Choudhary to conduct aerial survey of flood-affected areas; Ganga stable at Gandhi Ghat, rising in Munger-Sultanganj
हिन्दी अनुवाद: मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का एरियल सर्वे करेंगे; गांधी घाट पर गंगा स्थिर, मुंगेर-सुल्तानगंज में जलस्तर बढ़ रहा है।�
सीएम ने राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पटना में गंगा का जलस्तर घट रहा है, लेकिन पुनपुन नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। कटिहार में गंगा और कोसी के उफान से 35 पंचायतों में 3.43 लाख लोग प्रभावित हैं। UPSC/BPSC के लिए: बाढ़ प्रबंधन — राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (SDMA) के तहत; राहत कार्य — जिला आपदा प्रबंधन योजना (DDMP) के अनुसार।

SPORTS NEWS

World Archery Para Series Stage III (Ahmedabad): India wins 7 medals — 2 gold, 2 silver, 3 bronze; Sheetal Devi, Harvinder Singh shine
हिन्दी अनुवाद: वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज स्टेज-III (अहमदाबाद): भारत ने 7 पदक जीते — 2 स्वर्ण, 2 रजत, 3 कांस्य; शीतल देवी और हरविंदर सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया।�
शीतल देवी ने कंपाउंड महिला व्यक्तिगत स्वर्ण और मिश्रित टीम कांस्य जीता। हरविंदर सिंह और भावना ने रिकर्व मिश्रित टीम स्वर्ण जीता। भारत ने कुल 6-7 पदक के साथ टूर्नामेंट में प्रभुत्व दिखाया। UPSC/BPSC के लिए: World Archery — अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी महासंघ; Para Archery — पैरालंपिक खेलों का हिस्सा।

Global Chess League continues in Bengaluru; Indian hockey teams return to traditional blue kit for Asian Games
हिन्दी अनुवाद: ग्लोबल चेस लीग बेंगलुरु में जारी; भारतीय हॉकी टीमों ने एशियाई खेलों के लिए पारंपरिक नीले किट में वापसी की।�
ग्लोबल चेस लीग में भारतीय ग्रैंडमास्टर भाग ले रहे हैं। हॉकी इंडिया ने एशियाई खेलों के लिए पुरुष और महिला टीमों को पारंपरिक नीली जर्सी में वापस लाया है। UPSC/BPSC के लिए: FIDE — अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ; FIH — अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

"शिक्षक वह दीपक है जो स्वयं जलकर दूसरों को रोशन करता है।

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

पहाड़ ने जो सिखाया

(हिमालय दिवस विशेष)

हिमालय की तलहटी में बसे एक छोटे-से गाँव में विद्यालय था। एक दिन विद्यालय के शिक्षक बच्चों को लेकर पहाड़ी रास्ते पर निकले। रास्ते में उन्हें एक बूढ़ा व्यक्ति दिखाई दिया, जो धीरे-धीरे पौधों के आसपास से पत्थर और कचरा हटा रहा था।

एक बच्चे ने उत्सुकता से पूछा, "बाबा, आप अकेले इतना काम क्यों करते हैं?"

बूढ़े व्यक्ति ने मुस्कुराकर कहा, "मैं पहाड़ को नहीं बचा रहा, बेटा... मैं उस पानी को बचा रहा हूँ जो पहाड़ हमें देता है।"

बच्चों ने आसपास देखा। एक छोटी जलधारा पत्थरों और प्लास्टिक से लगभग बंद हो चुकी थी। बूढ़े व्यक्ति रोज थोड़ा-थोड़ा कचरा हटाते और रास्ता साफ करते थे, ताकि बारिश का पानी जलधारा तक पहुँच सके।

शिक्षक ने बच्चों को समझाया कि यही छोटी धाराएँ आगे चलकर नदियों का रूप लेती हैं। जंगल, मिट्टी और पानी का संतुलन बिगड़ेगा तो उसका असर केवल पहाड़ों पर नहीं, मैदानों में रहने वाले लोगों पर भी पड़ेगा।

अगले दिन बच्चों ने विद्यालय में एक निर्णय लिया। उन्होंने कोई बड़ा अभियान शुरू नहीं किया। बस हर बच्चा अपने घर और रास्ते के आसपास कचरा न फैलाने, पानी को गंदा न करने और कम-से-कम एक पौधे की देखभाल करने लगा।

कुछ महीनों बाद वही जलधारा साफ बह रही थी। बच्चों ने देखा कि उनके छोटे-छोटे प्रयास सचमुच बदलाव ला सकते हैं।

उस दिन शिक्षक ने कहा, "हिमालय हमसे कुछ माँगता नहीं, फिर भी हमारी नदियों, जंगलों और जीवन को बहुत कुछ देता है। अब उसकी रक्षा करना हमारा कर्तव्य है।"

प्रेरक सीख : प्रकृति को बचाने के लिए हमेशा बड़ा काम जरूरी नहीं; छोटी जिम्मेदारियों को रोज निभाना ही सबसे बड़ा संरक्षण है।

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर
बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉज़िटिव | सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

■ चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का

■ गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01 सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे पे्ररक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

• यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप

• शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

"सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अमर क्रांतिकारी चंद्रशेखर आज़ाद

प्यारे बच्चों, जब भी हम किसी वीर की तस्वीर देखते हैं जो अपनी मूँछों पर शान से ताव दे रहा हो और जिसके चेहरे पर असीम चमक हो, तो तुरंत एक ही नाम ज़ुबान पर आता है—चंद्रशेखर आज़ाद! वे भारत माँ के एक ऐसे अनोखे और दिलेर सपूत थे, जिन्होंने अंग्रेज़ हुकूमत के सामने कभी सिर नहीं झुकाया। उनका जन्म 23 जुलाई 1906 को मध्य प्रदेश के एक छोटे से गाँव भाबरा (झाबुआ ज़िले) में हुआ था। उनके पिता का नाम पंडित सीताराम तिवारी और माता का नाम जगरानी देवी था। उनका परिवार बहुत साधारण था, पर संस्कार बड़े ऊँचे थे। बचपन में नन्हे चंद्रशेखर भील बालकों के साथ जंगल में खेलते थे। वहीं उन्होंने धनुष-बाण चलाना और अचूक निशाना लगाना सीखा, जो आगे चलकर उनके बहुत काम आया।

बचपन में नन्हे चंद्रशेखर का मन पढ़ाई के साथ-साथ आज़ादी के सपनों में रमता था। जब वे लगभग चौदह वर्ष के थे और वाराणसी में संस्कृत पढ़ रहे थे, तब देश में गांधीजी का असहयोग आंदोलन चल रहा था। नन्हा बालक भी तिरंगा लेकर सड़कों पर निकल पड़ा। पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया और अंग्रेज़ जज के सामने पेश किया। घमंडी जज ने कड़क आवाज़ में पूछा, "तुम्हारा नाम क्या है?" बालक ने सीना तानकर बेखौफ कहा, "आज़ाद!" जज ने फिर पूछा, "तुम्हारे पिता का नाम क्या है?" बालक ने तुरंत जवाब दिया, "स्वतंत्रता!" जज ने चिढ़कर पूछा, "तुम्हारा घर कहाँ है?" बालक ने निडर होकर कहा, "जेलखाना!" इस जवाब से तिलमिलाए जज ने बालक को पंद्रह बेंत मारने की सज़ा सुनाई। हर बेंत की मार पर जब चमड़ी उधड़ जाती थी, तब भी नन्हे चंद्रशेखर की आँखों में आँसू नहीं, बल्कि मुँह से गूँजता था —"भारत माता की जय!" उसी दिन से दुनिया उन्हें 'आज़ाद' के नाम से जानने लगी।

बड़े होकर वे क्रांतिकारियों के सबसे बड़े दल के सेनापति बने। उन्होंने भगत सिंह, सुखदेव और रामप्रसाद बिस्मिल जैसे वीर साथियों के साथ मिलकर 'हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन' को नई ताकत दी। आज़ाद भेष बदलने में बड़े माहिर थे। कभी वे पंडित जी बन जाते, तो कभी साधु या गाड़ीवान। अंग्रेज़ पुलिस पूरे देश में उनका सुराग ढूँढती फिरती थी, पर आज़ाद हमेशा उनकी आँखों में धूल झोंककर निकल जाते थे। वे हमेशा गर्व से एक कविता गाते थे—"दुश्मनों की गोलियों का हम सामना करेंगे, आज़ाद ही रहे हैं, आज़ाद ही रहेंगे!"

27 फरवरी 1931 का दिन था। प्रयागराज के अल्फ्रेड पार्क में अंग्रेज़ पुलिस ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया। आज़ाद ने अकेले ही अपनी पिस्तौल से पूरी पुलिस टुकड़ी का डटकर मुकाबला किया। जब उनकी पिस्तौल में केवल एक आखिरी गोली बची, तो उन्होंने सोचा कि मैं कभी किसी अंग्रेज़ के हाथों पकड़ा नहीं जाऊँगा। उन्होंने वह आखिरी गोली अपनी कनपटी पर दाग ली और अपनी कही बात सच कर दिखाई। वे जीते जी आज़ाद रहे और आज़ाद ही अमर हो गए। प्यारे बच्चों, आज़ाद की यह पावन कहानी हमें सिखाती है कि चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन क्यों न हों, हमें अपने वचनों का पक्का, निर्भीक और अपने देश के स्वाभिमान के प्रति सदैव निष्ठावान रहना चाहिए।

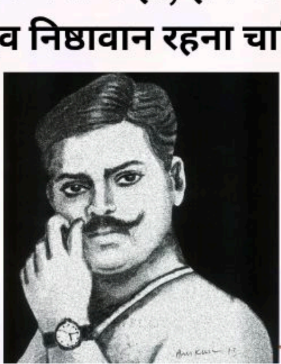

............✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org